



## Series #CDBA/S

Q.P. Code 16/S

					Candidates must write the Q.P. Code or
Roll No.					the title page of the answer-book.

- Please check that this question paper contains 9 printed pages.
- Please check that this question paper contains **29** questions.
- Q.P. Code given on the right hand side of the question paper should be written on the title page of the answer-book by the candidate.
- Please write down the serial number of the question in the answer-book before attempting it.
- 15 minute time has been allotted to read this question paper. The question paper will be distributed at 10.15 a.m. From 10.15 a.m. to 10.30 a.m., the students will read the question paper only and will not write any answer on the answer-book during this period.







स्टरूम : आँगा 3

क्यार्वेहरू मुना : 80

Time allowed: 3 hours

Maximum Marks: 80

16/S ————

Page 1

P.T.O.



## General Instructions:

Question paper is divided into 4 sections.

It has total 29 questions.

Section A: 3 Questions no. 1 to 3

Section B:5 Questions no. 4 to 8

Section C: 15 Questions no. 9 to 23

Section D: 6 Questions no. 24 to 29

Attempt questions as per specific instructions.

Write question no. in answer book before attempting it.

## :ठछर'स भाठकारण

त्रं प्र॰ प्रलीम स्रोणट्रा र क्रिक्ट क्रिक्ट שיים א יאלי

॥ राज्याँटे २२ 'रुर्ग स्रष्टभाराम

ஆ गात १ प्राप्ति अः स्वा ग्रह्मार्घ

श्रीमात १ प्रोज्ञ मलीय १ जाएं इ

🎎 भार ६ प्रीज मंत्र २१ : इ में क्र

**ब्रेट भारत १८ प्रांक्त प्रकार हा म प्रमु**र्णिस

॥ मुमरू एकर प्रत्म गाणिक प्राणिक प्रति कर्र रिप्ता क्रम प्राणिक प्रति विभिन्न स्र

॥ द्वर प्रश्रह प्राप्तिम गिष्क्रम 'रुर्ग हर्षि<u>। भुत</u>मनू स्प्र नेर्प हर्ने नेर्प्त हर्ने मुस्रह्मात



		T
	n: A(Reading Comprehension-3passages)	3x5=15
All 15 questions of MCQs to be attempted (5 questions from each		Marks
passa	ge)	
Q.1	रमुद्रक गिराध्य प्रोधिक्त गर्भात विकास प्राध्य प्राध्य प्राध्य हिन्स	5x1=5
Q.I	जारेऋजूम क्रवरा।	
	गागारणाचे हैं हम ॥ गिर्जा है गाइर्द्ध क्योम राज्य हमांगर एक माम्रोक्ष्य ज्ञां च	
	साधार के कार्य के साधार के किया है जह के कार्य क	
	्रें अगर जेंद्रमही हम्मार्ग सर्वे सर्वे स्वयं के अंदर्भ के अपना स्वयं के अपना स्वयं के अपना स्वयं के अपना स्वयं	207
	स्त्रिया के विस्ति स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित अर्थित स्वार्थित अर्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थि	
	स्त्रिया करान्य हिन्द्र अस्त्रिया साम्बर्ध स्थाप हिन्द्र स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप स	
	त्रिष्ठा प्रकृतिक स्वता है जिस्सा विकार स्वता है जिस्सा विकार के स्वता है जिस्सा विकार के स्वता है जिस्सा विकार	
	केथा है के किया है के सीय मान के सीय मान के सीय के	
	2.B.III	
	ं ग्रीसिक्य एक प्राप्त के का कार्य का कार्य का माही खाल के कार्य का माही के अ	
	a) ହୁଲ୍ଞି ଓ ପ୍ରଷ୍ଟେଶ	1
	b) ਰੇ <b>ਵ</b> ਈ॥	
	C)#5%# द॰@8ए।	
	d)म्बर्का ठेड्डा	
	ii) स्ट॰म <u>जात्म</u> डिटिंड हिम्म टेस्टरेज्ञः	1
	a) e 本 m <u>m e                             </u>	
	b)ខ	1
	c) ஓ க <u>ுமுக</u> ை	-
	d) 8 定加还是。	
	(1) % & W <u>7.6</u> 11	1
	ाधिक उन्दर्शन आराज्य स्त्रात स्त्रात क्रीस्म विस्तर्भ विस्तर्भ (iii)	
	7	
	a) ကိုဖော်ကျေး။	(4)
	b)खूळार्वडमारी॥	1
	c)वेष ॐ एहार्गं॥	
	d) प्रेञ्च ५ आताची।	-
	iv) वें ठावर्ष केंद्र मा साथक गािष्ठ कर वर्ष व्याप्त विकार करिया करिया करिया करिया करिया करिया करिया करिया करिय	
	a) इरेक्षण	1
	b)ॠಌ്യർ။	_
	c) রফাপ্রিমা	
	d) रहे आ	

		14
	v) रर धार्या सम्प्रे भार जीवा अ	1
	a) दमार्ग मू प्राप्ट हर्रा ॥	
	b)मिरिरोमार्ग ज्रह्मार्गिश	
	c)आरूणप्र॰न प्रेस्नहाार्गिश	
	d)फ्रेंडर डांसरमाणिशा	
Q.2	मध्यम !पार्किक गामस्य भीमप्र ठीवरपार्वक सध्यप्रम गा २२२२ गास ५२२१ पार्थ द	5x1=5
	पाष्ठक जहर्यक रहार्यां है है है निर्मात है कि साम है कि अपि सहस्रभाव है मिला है है कि	0
	मार्थ हुस्य । श्री हेस गारमाँ कर्ष कार्य कार्य कार्य कर्जा कर्जा प्रमाण मार्थ हो मार्थ म	
	गारभ्य ग्रह 📆 ,पार्गारमथः तपान्वर्द्ध गाठपाठान्द्र गाम्रपार्युक्त राज्या रहतेन्त्रुगरम	
	र्द्रेट अर्थ " "शक्त कर हे मा अर्थ है है " " है है जिल्ला " " अर्थ है जिल्ला	
	॥ गर्यसहर्य हे विश्व मार्च मार्च क्या है भी निक्य कि व कर्म प्रति है स्वी कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म	
	แขปอสต์มิส โหส์สซีม-ชนษย ษามะ ชาล ขาง" แบหาง เชา โหลโทเส สซีม สหา	
	समध्म हास जारम किर्या ॥ विर्यास प्रमाणिय प्रमाणिय - जीवर्जीम विषय कर्ण भरभवा	
	प्र⊀ष्टामरुटिं॥"	
	i) महिंद्रोज्ञर्सी प्रतारेट प्रताम प्रश्वाम प्रवाम प्रश्	1
	а) மூற்ய ப	
	b) <b>ய</b> கம்ப	
	C) HESTIGUII	
	d)साँद्रेष्ठणा	
	"แป๊อลหลายหระนา แจบใบสเบ็น โหสในรับบ <b>-จะ</b> หม หวัมแ ธริน บริบ (ii	1
	ीम्रहीन्दर्वरू	1
	a) ड॰मजारेष्ण्य ॥	
	b) म्राण्यू मिर्ग ॥	
	c) लेळ्डा	
	॥ जडद <sup>6</sup> भ्यारम विद्यार्थ (त	
	॥ विडर्त्राप्य सहस्रक्ष्मणार्यक्र मरूम क्रिया(iii	
	a) क्रें लें चा डिंग्डिंग सामी डिंग्डिंग।	- 10
	b) क्रेलेंग्रा ९९९८ मार्ग ९९९९॥	
	c) क्रेलें च ९८६२ मार्ग ९८६९॥	1
	d) ந്രൂപ്പ ദൂട്ടെ आग्री हिन्दी हैं।	
	2	
	iv) " ए टे ए फें मा अंतर फेस में ?" ए अंत्रमा हिला :	1
	a) क्रमजारेष्ण्या ॥	
	b) उन्नजाटका स्थाप्ट के उद्यो ॥	
	c) ៤[ជាឌី៥ [II	
	d) கண்கள் ய	
	v) लेकश्वम्य म्यारोग तेष लेषारहाण्?	1
	а) स्टर्शमा मार्टिंगातृतमा ॥	
	b) रक्ष्मखाः ॥	
	c) மூல்சா II	
	d) राजेखाः ॥	



Q.3	ठाणायाय सर्वेमार्ग अस्टेक ख्यारीए छात्रात्य कर्में आमर्टा कर्में अस्त्रात्य कर्में अस्त्रात्य कर्में	5x1=5
	गिर्गाएँ उसरे के वार्य कि गिर्स कि मिर्स मार्थ में के प्रति मिर्म किर्द	
	मजादेख अध्यक्त भिन्न हें कि कार्या कार्य कार्य क्रिक्स हैं। क्रिक्स के अध्यक्त कर्म क्रिक्स के अध्यक्त कर्म कर्म	
	ह्राणिशास्त्र उद्धर्णां क्रम्भ क्री उर्भात स्वर्ण हर्स भारत स्वर्ण स्वर्ण स्वर्ण स्वर्ण स्वर्ण स्वर्ण स्वर्ण स	
	ह्यार ीग २२ हर्मार्थिक अर्द्ध गाणीलभ्य एक स्वाधिक अर्थ गाणीलभ्य एक स्व	
	हमहम ज्रेट उट्टा अधिक हुए के उपार्ट के स्वाधिक स्वाधि	
	क्रिस उँस पर्य प्रधारिक्रसीआर्य उपिष्यक्र भारति मार्च मार्स विकास	18
	ह्या होते हे से स्वर्ध से स्वर्ध से सार्वे	
	<b>கூசுகாரி देश மாदि है मे से हुआरी ए प्रीय देश ही गम फ्रिक्स क्रिया क्र</b>	
*	i) ह्यारीस्त्रिलीयर प्रयोध हो क्रिक्ट हैं एक गेक्क लिक्स लक्स्बेवर	
	आरेज्ज्य्यआर चूं हो प्राप्त :	
	a) इर्म्समार्ग म्यारेट उँपाळटमण्डा।	1
	b) നല്ച വ്യൂസ് നില്യു നില്ല	
	C) ច្ឆាល់ខ្លែ ដថៃ ទី នៃខែថា ॥	
	d)ह्रामार्थः जारिष्ठहरी॥	
	ii) प्रकारक स्थानसार्ग देवियादि गेविय युजासीर्ग प्रीय देविय हिंगा प्रस्ताः	1
	а) ஸ்ய அரேய் அ	1
	b) жेшភาฮตาแ	
	C) म्हेण्यञ्चरणीण्या	
	d) म्हेळचळवर्णी॥	= 6
	iii) हुजारीं हुजारोग के प्राफ्त के प्राफ्त के का	1
	а) है шप्रार्ट मार्ग लासे राम्हें आहे ।	
	b) है आर्रा के जाम के जाम के जाम के जाम के जाम के जा के जा कि जा के जा कि जा के जा कि जा कि जा कि जा कि जा कि ज	1
	C)ऋे धे मार्ग लिस्टे दे त्राह्म	*
	d) سیکسو ैमार्ग लस्टें स्वर्णा	
	iv) ह्यारिर्णायह आरोध विश्वास के अल्लाहरी है के अल्लाहरी है के अल्लाहरी है के अल्लाहरी है के अल्लाहर के अल्लाहर	1
	a)នេទ ភ្និយាទ័យ្យែ	1
	b)នទេ ភ្លិយទើញ	
	c)នេះខ ភិយាទ័យ	
	d)ននេះ ភ្នំពារ្ធ ខារ ពេ	
	V) स्टेट॰मार्ग मझ्म प्रकारेशार्थ जाएं शाहित सहस स्टेम्स हैं।	1
	a) उत्तरमा ।	1
	b) <b>жиж</b> и	-
	C) THE HAGIN	
	d) प्रमुक्त प्राप्त रिक्र के स्वर्म के कि स्व	
	- Service and the service in	1



Section-B	25
Writing	Marks
шग्रह प्याहित (९९९०) व्याहित अप हमंग्रात्य	1x7=7
a) ឃើប ឃ <b>ិ</b> ជ ឃ <b>ិ</b> រជាស្រារ	
b) प्रक्रं प्रलोगि ऋन क्रोडिक्टामा आरा॥	
॥वर्षक गाणक्षी विषय स्थाप स्थाप स्थाप विषय विषय ।	
шँ១ ॥ भर्रिष्ठ र्रामाण्य उमर्जेष्ट, उनर उर्द्र राष्ट्रम मध्याभिर्द्धम अर्थिम । विद्यापार्द्र	1x5=5
भारित्य प्राप्तिक विश्व हिस्स हिस्स स्थाप	
जूसमर रिज्ञ समय्य मृ <u>ष्य</u> ण मण्मर्थण जूरण साधम व प्राराण स्वर्ण सम्बन	ra.
แฐล สมา โนโน สห <u>าคงว</u> สร์ ชลั่น ชบฆ์สบ โชนาน์ จับ ชไษใช้	
।ജെയ്ള ഉയ്ക്കാര യ്ഷാര് നാട്ടെ യുപ്പായ മണ്ഡയ	2x3=6
a) פאשט"א אונישלאוג क्रमाш क्रमा	
иौर्डा वर्षेत्र प्राचर्तं वर्षेत्र प्राचर्तं वर्षेत्र प्राचर्तं वर्षेत्र प्राचर्तं वर्षेत्र प्राचर्तं वर्षेत्र	
e) निष्ट्राणीस प्राचीत प्राचीत प्राचीत प्राचीत प्राचीत (अस्ति प्राचीत	s
॥द्वरीआर मूदब्स्रआर गाठन्त्र म्रफ ४मआरफ	.00
a) एके एमर्ग प्रसंक विश्व कि कार्य कर कि कि के ब्राह्म कि कि कि विश्व कि विश्व कि विश्व कि विश्व कि	1x4=4
ന स्वाचित्र हर्य सर्गातिलक्षी <u>मात</u> मामत्रीगाहरू प्रद <b>ंसा</b> स्वर्ग्यात क्रिया हैन्य गार्त्वर	
प्रक्र अग्र	
চৰ চিন্দ কৰিছে নিহুল ক্ষিত্ৰ কৰিছে চাৰ্চ প্ৰাৰ্থ কৰিছে নিহুল আৰু বুহৰ আৰ্হ্ড (b	
<u> </u>	
ःद्रशेगार पार्वज्ञक्रय गाठन्त्र पारमूक्र्यण वर्मग्रास्यण	
a) क्रवंगार राज्य अन्वर्वं क्र	3x1=3
b) रू. ऋंभूष्णम ट्रारागा॥	
c) प्रवानवण्य स्रोधक्र प्रोण ९०४॥	
d)क्षें अध्य प्रेज्ञें है।	
e) ऋ <b>लाणाखा</b> ँ ऋट ठेक लेखा	
	Writing  шग्रांसर प्रकार प्रवास प्रवास प्रवास (प्रवास) करा।  a) प्रवेष प्रवेश प्रकार स्वास प्रवास (प्रवास)  b) प्रकेष प्रवास प्रवास प्रवास स्वास है के के के कर प्रवास है है हिस ए लिप्पांस रहे हो।।  c) जू व्यव्ये प्रकार स्वास प्रवास स्वास है के के के कर ज्ञान है हिस ए लिप्पांस रहे प्रवास स्वास है के के कर ज्ञान है हिस ए लिप्पांस रहे प्रवास स्वास है के के कर ज्ञान प्रवास स्वास है के के कर कर है है हिस ए लिप्पांस कर स्वास है के के लिप प्रवास है के कि के के लिप प्रवास है के कि के कि के कि के कि के कि के कि के कि क



	Section- C	20
	Grammar	Marks
	Graniniai	IVIAIKS
Q.9	"र्रज्ञ अध्या होस्सर्थ स्थाप कर्न स्थाप कर्न अध्या	1
Q.5	a) '৯৪' তাঁ॥	1
	b) 'ਸ਼' <b>ਦ</b> ਿ॥	
	c) 'ໝໍສ' ໜ້າ	
	d) 'শ্লম্ডৰ' ভাঁ৷৷	
Q.10	म्हर्णार् <b>म</b> िक्रहेण ' <b>प्रें''</b> रहेळ्डक्रीःः	1
۵.20	a) ਸੇਂਝ ਈ॥	10000
	b) ম's তাঁ৷	
	c) ජී හ	
	d) ਫੇਲ <b>ਈ</b> ॥	
Q.11	श्याहर्त्यक हमद्भक्त क्रिक्ट हमचक्क भारतिक विकास भारतिक विकास भारतिक भारतिक भारतिक भारतिक भारतिक भारतिक भारतिक	1
Q.11	a) 来で「現代」である。 では、	
	b) सर्टाजाट्रवा दैनक প्रदि॰४न सञ्च स्था जेज्जर шजा।	
	С) দেখোঁমালুলা ভাষা পোলিস্থন দক্ষেন স্পাল্প স্ক্রিক আজা।	
	d) स्टांजाट्र्वा ठेनस एर्रट ४न स्टब्स उन्न ४ उर्द्यस्य प्रजा बो) स्टांजाट्र्वा ठेनस एर्रट ४न स्टब्स टांजारेन ज्ञेत्रसंख्या	
Q.12	म्बर्धे एक एक स्थापन के कि के कि के कि	1
Q.12	a) '5'4' vil	_
	b) 'হ্লাড' তান	
	c) ' <b>ය</b> " දේ။	
	d) 'ਰੇ' ਲੀ॥	
Q.13	' प्रश्वरण' त्रेष्ठर प्रेत्रे' <b>प्रशक्ति सू</b> श्वः	1
۵.13	a) प्रक्रम रोक्रा	_
	b) <b>फ</b> र्टी रहेक्रजा	
	c) सर्वा रहेक्का।	
	d) <b>प्रा</b> स रहेस्रजा।	
Q.14	: क्रियारिज एया अस्य क्रियं क	1
	a) <b>w</b> ef efi	,
	b) <b>ய</b> த் ரிய	
	c) स्त्र्यों खीं॥	
	d) ज्ञाम रही।	
Q.15	<b>கீசு மே மி கிக்கி</b>	1
	a) চ্চেন্ তা।	
	b) মধ <u>্দল</u> লা।	
	с) жн <u>же</u> ејп	
	d) v mref efu	



Q.16	ट॰एडिना स्वर्णस्व ॐणळ्याः	1
	a) - ச யூதா க்லாயூரிய	
	॥ौजिक्सग्रार्ट्स मृह्यक्र द - (d	
	c) - प्रती,-ार्ग प्रक्रम लेगार्का ।	100
	uldestation मुख्या द , भिन , भिन्न । भिन्न ।	
Q.17	ीसमी उर्दे के हिंदी हैं के हिंदी है के लिख के हिंदी के लिख के कि मिल के हिंदी है कि मिल के है कि मिल के हिंदी है कि मिल के है कि मिल के हिंदी है कि मिल के है कि मिल के हिंदी है कि मिल के हैं कि मिल के हिंदी है कि मिल के हैं कि मिल के हिंदी है कि मिल के हिंदी है कि मिल के हैं कि मिल के	1
	a) 'ਸ਼ਰ' ਫੀ।	
	b) 'erਜ' ਦੀ॥	
	c) 'र्स्सी' र्ही॥	
	d) 'ਸ਼ਰੂ-ਫਰਜ' ਦੀ॥	
Q.18	ध्या १९०० सम्बन्धे ते हिमा १९०० सम्बन्धे विकास सम्बन्धे सम्बन्धे सम्बन्धे सम्बन्धे सम्बन्धे सम्बन्धे सम्बन्धे स	1
	a) <b>ශාලං</b> ජ ජ්µ	
	b) শুমানৈ লু॥	
-	c) म्हेजारन दे <sup>8</sup> ॥	
	d) <b>ਨਾ</b> ਵਾਂ ਟੱੱ॥	e
Q.19	॥द्वरीगार अध्य मह्नू १॰गाठ <b>ँस</b> हर्द्ध <b>रा</b> १९ <u>ण</u> ीज <u>ीभार</u>	1+1=2
Q.20	म्बर्डे प्रमात अध्याप सम्बन्ध हत्य सम्बन्ध सम्बन्ध सम्बन्ध सम्बन्ध सम्बन्ध सम्बन्ध सम्बन्ध सम्बन्ध सम्बन्ध सम	1+1=2
Q.21	श्रीयाध्यार द्वित्र विश्वास्य क्षा भारत्य विश्वास्य विश्वास्य विश्वास्य विश्वास्य विश्वास्य विश्वास्य विश्वास्य	1+1=2
	a)फ् ! ग्रारेमसूज्रम!	
	b) தூகம <b>ு</b> கால் நில் நில் நில் நில் நில் நில் நில் நி	
Q.22	<u>हर्</u> टा ग॰र्टाहरू०० स्वाहर हे स्वाहर हे स्वाहर हे स्वाहर स्वाहर हो स्वाहर हो स्वाहर	1+1=2
Q.23	हरेणाट माह्न हर्द्ध क्रिया प्रकार १०गाठ के इदर्शका पण्याहरू हर्	1+ 1=2



		100
	Section- D	10
	Prose	Marks
Q.24	्रात उपाँसञ्चल जूरपार्थ पाँचम गाउनन पानमप्र	1x5=5
	a) तमह भू के का का का का का का कि का कि का कि का कि का	
	!ന്നെത്തെ ഉദ്യൂപ്പ ിന്ന ചാജ്ജ് താന്യുന്നു വരു വരു വരു വരു വരു വരു വരു വരു വരു വര	
	b)"หาง หลัง คาย หาง การาส บลาร อ.สาธาคลบา โทเวียา เคาสส โดย หาง สส เสนา (b)	
	്വീട് ചെയ്യ ചെയ്യ ചെയ്യ ചെയ്യ ചെയ്യ ചെയ്യ ചെയ്യ ചെയ്യ ചെയ്യ	
Q.25	्रहोणाः मूद्रस्र्याः गाठन्त्रः पाद्रोष्ठयः	2x2=4
	a) 'सीय क्षां केंद्र भारत क्षां अध्या भारत के विका जीम' (a)	
	b) टाँचार प्रक्षेत्रक्ष का	11
	c) 'प्रस्तृ स्रें क्रिया मार्थे प्राप्त कि अर्थ क्रिया है गार्थ मार्थ मार्थ मार्थ मार्थ मार्थ मार्थ मार्थ है प	
	॥द्रश्त क्रयण मध्म भाष्ठीभद्रर्क	<b>₽</b>
Q.26	्राहेशार मृत्रस्र्यार गाठहरू पारम्य	1
	a) श्रीकाण्ड <u>म</u> ारीय प्रेट्या मार्टेट ए० ४ १ श्री हाए॰?	
	b) अध्य हैं इंग्रिक्स केंद्रिस आहे (d	
	Section-D	10
	Poetry :	Marks
Q.27	्रहत जर्णां सञ्चल ज्रूटणंट मांन्स गाठनर पारमण	1x5=5
	a) ऋष्राध्या विष्णामा स्था सम्बन्धा सम्बन्धा सम्बन्धा सम्बन्धा सम्बन्धा सम्बन्धा सम्बन्धा सम्बन्धा सम्बन्धा सम	- 3
	१ चिष्ठे व गाणाः इसमास्य गार्थं हिन्द व हार्या व व व व व व व व व व व व व व व व व व व	
	b) ചുര്യപ്പെടും ക്യൂട്ടും ക്യൂട്ടും ഉപ്പാട്ടും വരുന്നു വരുന്നു.	
	ਜ਼ਾਣ <u>ਾ ਬਣਾ</u> ਤੀਲ	
	क्याम्य कराणिक कर्षे देश कराणिक कराणिक कराणिक	
	<b>展型型。 成</b>	
	र्याड ह <u>ुष्ट</u> प्रस्तु प्रस्तु है।	
Q.28	्रहीआर मूलक्ष्यार गाउन्नर पारम्य	1x3=3
8	a) प्रकार जातम् विकास कार्या प्राप्त कार्या कार्या है है जिस्ता कार्या	
	9णाष्ट्रवर्द्ध स्टब्स्य स्वाचित्र मध्या सम्वाच्य सम्वाच्य स्वाच्या प्राप्त हिन्दू प्रविच्या (d	
Q.29	हरेम ॐ ट जारें जिल्ला मार्राहा।	2x1=2
	a) "प्राप्त अर्थे के अर्थ के अर	
	हं जिस्स जीलहर्द्ध अंद्रक्तमार म्होलपान्येल हर्द्ध "विश्वः" जीहर्म्स (d	
	?॰गाष्ठण्य <sup>°</sup> न्त	
		L